

॥ श्रीहरिः ॥

गीताप्रेस, गोरखपुरके द्वारा प्रकाशित
श्री भगवद्गीता
तथा
मानस-व्याकरण



८११. २३०६
रामा-

गीताप्रेस, गोरखपुर